Impact Factor (SJIF): 6.126 E-ISSN: 2583-1615, P-ISSN: 3049-3498

International Journal of Research in Academic World

Received: 10/March/2025 IJRAW: 2025; 4(4):268-272 Accepted: 20/April/2025

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति क विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक व विद्यालय वातावरण के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

[1]डॉ. दिव्या चौधरी और [*2]चन्द्रकान्ता दैय्या

[1]शोध पर्यवेक्षक, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान, भारत।

[*2]शोधकर्त्री, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान, भारत।

सारांश

प्रस्तुत शोध में अनुसूचित जाति/जनजाति के सरकारी व निजी विद्यालय में अध्ययनरत माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक व विद्यालय वातावरण के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन किया गया हैं। अध्ययन से ज्ञात होता हैं कि सरकारी व निजी विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व पारिवारिक वातावरण में अन्तर होता है तथा दोनो विद्यालयों के वातावरण में कोई अन्तर नही पाया जाता है। प्रस्तुत अध्ययन में जोधपुर के सरकारी व निजी विद्यालयों के कक्षा 9 वीं व 10 वीं के विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में यादच्छिक विधी से चुना गया है। एकत्रित दत्त संकलन को सुव्यवस्थित करके उनका विश्लेषण व व्याख्या एवं निर्वचन कार्य करने के लिए शोध कर्त्री द्वारा मध्यमान, प्रमाप विचलन,टी–मूल्य तथा सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया। अध्ययन मे पाया गया कि सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य व पारिवारिक वातावरण में निम्न है तथा उनके मानसिक स्वास्थ्य व पारिवारिक वातावरण में ऋणात्मक सहसंबंध है। निजी विद्यालय के विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक वातावरण तथा विद्यालय वातावरण अच्छा हैं।

मुख्य शब्दः अनुसूचित जाति/जनजाति, विद्यार्थी, पारिवारिक व विद्यालय वातावरण।

प्रस्तावना

वर्तमान युग को प्रतिस्पर्धात्मक युग कहे तो अतिश्योक्ति नहीं होगी, जिस ओर देखे उस ओर प्रत्येक क्षेत्र में हर कोई एक दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ में लगा हुआ है, विद्यार्थी वर्ग भी इससे अछूता नहीं है, यह भी समाज का ही अंग है और अपने समाज की प्रगति को सुनिश्चित करने व अपने भविष्य को लेकर चिन्तित है। यह समस्या अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अन्य समस्त जातियों व वर्गों में देखने के मिलती है। पाश्च्यातीकरण, सही व गलत में पहचान का अभाव, कुंठित मानसिकता, असुरक्षा की भावना, भविष्य को लेकर अत्यधिक चिंतित एवं असामाजिकता आदि समस्याओं ने विद्यार्थियों को बड़ी विचित्र परिस्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है और इसका प्रभाव उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

क्रो एवं क्रो के अनुसार ''मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान वह विज्ञान है, जिसका सम्बन्ध मानव कल्याण से है और जो मानव सम्बन्धों के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करता है।''

उत्तम व आदर्श मानसिक स्वास्थ्य आज की आवश्यकता ही नहीं वरन् अनिवार्य शर्त बन चुकी हैं क्योंकि उत्तम मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के जीवन में स्थिरता, सकारात्मक उत्तम जीवन शैली, उच्च समायोजन क्षमता आदि को विकास कर सकता है अतः यह एक समुदाय के प्रभावी संचालन के लिए नींव है। इसलिए अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को जानने के लिए इस विषय को चयन किया है।

विद्यालय के सकारात्मक वातावरण द्वारा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को विकसित किया जा सकता है (मानसिक स्वास्थ्य कलयाण–एक परिप्रेक्ष्य (Close Gov. in)

विद्यालय व शिक्षकों के सहयोग व प्रयासों को पल्लवित व

*Corresponding Author: चन्द्रकान्ता दैय्या

पुष्पित करने की प्रेरणा व प्रोत्साहन परिवार से प्राप्त होता है। परिवार के अनुशासन, समर्पण कुशल संवाद, निगरानी, समय प्रबन्धन की सीख आदि द्वारा ही विद्यार्थी के मानसिक स्वास्थ्य का विकास तथा सामाजिक गुणों का विकास सम्भव है। बाल्यावस्था में व्यवहार संबंधी समस्या मानसिक स्वास्थ्य की सबसे अधिक प्रचलित चुनौती है Osofsky 1995 के अनुसार मानसिक अस्वस्थता में बालक अपने विद्यालय तथा परिवार दोनों के साथ असमायोजित हो जाता है। ऐसे में यह जिज्ञासा उत्पन्न होना सामयिक है कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य, विद्यालय वातावरण व पारिवारिक वातावरण से किस प्रकार प्रभावित होता है।

समस्या का औचित्य

विश्व स्वास्थ्य संगठन के पूर्व महानिदेशक डॉ. ब्रॉक चिशोल्म के अनुसार, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के बिना, शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रह ही नहीं सकता है। दुनिया भर में, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं आम होती जा रही है। लोगों के जीवन में तनाव, चिंता, दुख, उदासी और अन्य समस्याएँ उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, इन समस्याओं का निपटारा करना अति आवश्यक है क्योंकि इनके अग्रसर होने से लंबी अवधि तक जीवन गुणवत्ता पर असर पड़ता है, विद्यालयी जीवन भी इससे अछूता नहीं रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 15–29 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों की मृत्यु का सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। अतः इस समस्या को गंभीरता से लेना तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करनी चाहिए मानसिक स्वास्थ्य की जड़ों को समझना और समस्याओं का सामना करने के लिए कई तरीके है जिनमें व्यक्तिगत देखभाल, परिवार व विद्यालय का सहयोग विकास भी शामिल है। परिवार व विद्यालय का सकारात्मक वातावरण ही उनके उत्तम मानसिक स्वास्थ्य का द्योतक है। ऐसी स्थिति में यह अध्ययन किया जाना महत्वपूर्ण है कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति का मानसिक स्वास्थ्य कैसा है? तथा पारिवारिक व विद्यालय वातावरण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को कितना और किस प्रकार प्रभावित कर रहे है?

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
5. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यालय वातावरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
5. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व विद्यालय वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

शोध परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन जोधपुर संभाग के सरकारी व निजी विद्यालयों के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के अध्ययन तक ही सीमित रखा जायेगा।
2. प्रस्तुत शोध अध्ययन को माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों जिनमें 400 अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के अध्ययन तक ही सीमित रखा जायेगा।

वर्तमान शोध में न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा समय, धन, श्रम की बचत व अध्ययन की गहनता को ध्यान में रखते हुए 400 माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों को चयनित किया है।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

1. मानसिक स्वास्थ्य बैटरी/Mental Health Battary (MHB)-A.K. Singh and Alpana Sengupta
2. सामाजिक कौशल रेटिंग स्केल/Social Skill Rating Scale (SSRS)-Vishal Saod, Arti Anand and Suresh Kumar
3. विद्यालय वातावरण स्केल/School Climate Scale (SCS)-S.P. Singh And T. Imam

4. पारिवारिक वातावरण स्केल/Family Climate Scale (FCS)-Beena Shah)

शोध में प्रयुक्त शोध विधि

प्रस्तुत शोध में अध्ययन विधि के रूप में **सर्वेक्षण विधि** का चयन किया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित सांख्यिकी का प्रयोग किय्रजायेगा

i). मध्यमान (Means)
ii). प्रमाप विचलन (SD)
iii). टी–परीक्षण (T-test)
iv). सहसम्बन्ध

दत्तों का विश्लेषण एव व्याख्या

1. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत. अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 1: अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में अंतर को दर्शाती तालिका

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी मान	परिणाम
सरकारी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थी	200	77.24	13.79	5.35	0.05 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत
निजी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थी	200	83.93	11.08		

Df=(N_1+N_2-2), df= (200+200-2)= 398
सार्थकता स्तर 0.05 पर टी का मूल्य = 1.96

व्याख्या एवं विश्लेषण

तालिका संख्या 1 सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में अंतर को प्रस्तुत करती है। तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि सरकारी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का मध्यमान 77.24 तथा प्रमाप विचलन 13.79 है। वहीं निजी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का मध्यमान 83.93 तथा प्रमाप विचलन 11.08 है। प्राप्त मध्यमानों और प्रमाप विचलन की सहायता से टी परीक्षण की गणना करने पर टी परीक्षण का मान 5.35 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंश 398 पर 0.05 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक तालिका मान 1.96 है। टी परीक्षण का परिकलित मान तालिका के मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में अंतर पाया जाता है। प्रस्तुत शोध परिणाम Macdonald, Leary MR (2005), Varma VK (2009), Jordan Lee (2019) के शोध परिणामों से मेल खाते हैं ।

2. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत. अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 2: अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में अंतर को दर्शाती तालिका

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी मान	परिणाम
सरकारी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थी	200	105.29	23.11	4.64	0.05 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत
निजी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थी	200	115.28	19.81		

Df=(N_1+N_2-2), df= (200+200-2)= 398
सार्थकता स्तर 0.05 पर टी का मूल्य = 1.96

व्याख्या एवं विश्लेषण

तालिका संख्या 2 सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में अंतर को प्रस्तुत करती है। तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि सरकारी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान 105.29 तथा प्रमाप विचलन 23.11 है। वहीं निजी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान 115.28 तथा प्रमाप विचलन 19.81 है। प्राप्त मध्यमानों और प्रमाप विचलन की सहायता से टी परीक्षण की गणना करने पर टी परीक्षण का मान 4.64 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंश 398 पर 0.05 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक तालिका मान 1.96 है। टी

परीक्षण का परिकलित मान तालिका के मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में अंतर पाया जाता है। प्रस्तुत शोध परिणाम Serman, Bybee, Mowbray & Mc Farlane (2002) के शोध से मेल खाते हैं।

3. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 3: अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण में अंतर को दर्शाती तालिका

समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी मान	परिणाम
सरकारी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थी	200	77.27	10.88	0.33	0.05 सार्थकता स्तर पर स्वीकृत
निजी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थी	200	77.65	12.07		

Df=(N_1+N_2-2), df= (200+200-2)= 398
सार्थकता स्तर 0.05 पर टी का मूल्य = 1.96

तालिका संख्या 4 सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण में अंतर को प्रस्तुत करती है। तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि सरकारी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण का मध्यमान 77.27 तथा प्रमाप विचलन 10.88 है। वहीं निजी विद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण का मध्यमान 77.65 तथा प्रमाप विचलन 12.07 है। प्राप्त मध्यमानों और प्रमाप विचलन की सहायता से टी परीक्षण की गणना करने पर टी परीक्षण का मान 0.33 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता के अंष 398 पर 0.05 सार्थकता स्तर के लिए आवश्यक तालिका मान 1.96 है। टी परीक्षण का परिकलित मान तालिका के मान से कम है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण में अंतर नहीं पाया जाता है। प्रस्तुत शोध परिणाम अलफुहैगी (2015), कुमावत (2016) के शोध से मेल खाते हैं।

4. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

व्याख्या एवं विश्लेषण

तालिका 4: अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व पारिवारिक वातावरण में सहसंबंध को दर्शाती तालिका

समूह	चर	समूह संख्या	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक	सहसंबंध का प्रकार
अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थी	मानसिक स्वास्थ्य	400	80.58	−0.039	अति निम्न ऋणात्मक सहसंबंध
	पारिवारिक वातावरण		110.28		

Df=(N_1+N_2-2), df= (200+200-2)= 398
सार्थकता स्तर 0.05 पर मान = 0.097

तालिका संख्या 4 माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध को प्रस्तुत करती है। तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसंबंध की गणना पियर्सन उत्पाद–क्षण सहसंबंध गुणांक विधि के माध्यम से की गई है। जिससे सहसंबंध गुणांक का मान −0.039 प्राप्त हुआ, जो कि पियर्सन तालिका के अनुसार अति निम्न ऋणात्मक सहसंबंध है। गणना करने पर प्राप्त सहसंबंध गुणांक का मान सार्थकता स्तर के मान से कम है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व पारिवारिक वातावरण के मध्य कोई सार्थक धनात्मक सहसंबंध नहीं है। प्रस्तुत शोध परिणाम Choudhary, Nand Kishore (2013) Sathybama B, Jeryda Gnanajane Eljo.Jo (2014) Malkeet kaur, Shamshir singh

Dillon, Ranjit kaur (2015) के शोध परिणामों से मेल खाते हैं।

5. अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व विद्यालय वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

व्याख्या एवं विश्लेषण

तालिका 5: अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व विद्यालय वातावरण में सहसंबंध को दर्शाती तालिका

समूह	चर	समूह संख्या	मध्यमान	सहसंबंध गुणांक	सहसंबंध का प्रकार
अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थी	मानसिक स्वास्थ्य	400	80.58	0.173	अति निम्न धनात्मक सहसंबंध
	विद्यालय वातावरण		77.45		

$Df=(N_1+N_2-2)$, df= (200+200-2)= 398
सार्थकता स्तर 0.05 पर मान = 0.097

तालिका संख्या 5 माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व विद्यालय वातावरण के मध्य सहसंबंध को प्रस्तुत करती है। तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व विद्यालय वातावरण के मध्य सहसंबंध की गणना पियर्सन उत्पाद–क्षण सहसंबंध गुणांक विधि के माध्यम से की गई है। जिससे सहसंबंध गुणांक का मान 0.173 प्राप्त हुआ, जो कि पियर्सन तालिका के अनुसार अति निम्न धनात्मक सहसंबंध है। गणना करने पर प्राप्त सहसंबंध गुणांक का मान सार्थकता स्तर के मान से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है।
निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व विद्यालय वातावरण के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध है, परन्तु अधिक नहीं है। प्रस्तुत शोध परिणाम लेस्टर एवं क्रास (2015), लॉरेन्स एवं विमला (2012) के शोध से मेल खाते हैं।

वर्तमान अध्ययन के शोध निष्कर्ष

1. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर है।
2. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अंतर है।
3. सरकारी व निजी विद्यालय में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण में सार्थक अंतर नहीं है।
4. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व पारिवारिक वातावरण के मध्य अति निम्न ऋणात्मक सहसंबंध है।
5. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व विद्यालय वातावरण के मध्य अति निम्न धनात्मक सहसंबंध है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. शर्मा, बी.एन. राजकुमारी, डॉ. रजनीश दुबे, एस.के. (2014): विद्यालयी समाजीकरण तथ पहचान, राधा प्रकाशन मन्दिर, आगरा।
2. बेस्ट, जॉन डब्ल्यू (1991), शिक्षा में अनुसंधान, दिल्लीः भारतीय प्रन्टिस हॉल प्राईवेट लिमिटेड
3. Monika sethi, Gurmit singh, M.L Jaidka Impact ऑफ स्कूल एनवार्नमेण्टए, होम एनवॉर्नमेण्ट एण्ड मेण्टल हेल्थ स्टेटस ऑन अचीवमेण्ट मोटीवेशन
4. Choudhary, Nand Kishore " अ स्टडी ऑफ मेण्टल हेल्थ इन रिलेशन टू फेमिली एनवारमेण्ट एण्ड जेण्डर ऑफ स्कूल गोइंग स्डोलोसेन्ट्स.ष indian journal of research 2013, 3(4)
5. https://www.data.gov.in
6. https://www.Knowindia : gov. in
7. https://www.india.gov.in